

2/6



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 2, 1993/अश्विन 10, 1915
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 2, 1993/ASVINA 10, 1915

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य
क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किये गये साधारण सांविधिक
नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general
character) issued by the Ministries of the Government of India (other
than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities
(other than the Administration of Union Territories)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1993

सा.का.नि. 480:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अधीन खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक के
पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद
(ज्येष्ठ वैज्ञानिक सहायक) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन
नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे
संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहता : वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या ममीचीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध का किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं।
1	2	3	4	5	6	7
उप-सहायक वैज्ञानिक सहायक	5* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केंद्रीय सेवा समूह "ख" अराजपक्षित अननुसचिबीय	1640-60- 2600- घ. रो.-75- 2900 रुपये	चयन	30 वर्ष से अधिक नहीं। (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।) टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख़ खण्ड, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपखण्ड, अंदमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है)।	नहीं

भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

परिक्षा की अवधि यदि कोई हो

28

1993

9

10

आवश्यक :

- (i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से रसायन/जीव रसायन में मास्टर डिग्री या खाद्य प्रौद्योगिकी में डिग्री या समतुल्य।
- (ii) खाद्य और कृषि उत्पादों के परीक्षण, निरीक्षण और विश्लेषण में 2 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

आयु : नहीं

दो वर्ष

शैक्षिक अर्हताएं : नहीं

किन्तु उनके पास रसायन के एक के साथ विज्ञान में बैचलर डिग्री हो।

टिप्पण : 1. अर्हताएं अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।

टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में शिथिल की जा सकती हैं (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की सम्भावना नहीं है।

वांछनीय : —जी एल सी, परमाणवीय अवशोषण स्पेक्ट्रोफोटोमीटर और पेपर थिन लेयर क्रोमेटोग्राफी यंत्र विश्लेषण पद्धति का प्रयोग करके योज्य खाद्य और संदूषण के विश्लेषण और या खाद्य के सूक्ष्म जैविकी विश्लेषण का अनुभव।

भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा

11

12

- (i) 60 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।
- (ii) 40 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।

प्रोन्नति : —ऐसे तकनीकी सहायक जिस ने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : —केन्द्रीय सरकार के ऐसे अधिकारी :

(क) (i) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण किए हुए हैं; या

(ii) जिन्होंने 1400-2300/2600 रु. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास स्तंभ 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव हैं।

पोपक प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी जो प्रोन्नति की सीधी पंक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इसी प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे।

12

(प्रतिनियुक्ति की अवधि जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य काइर-बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है। साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा नियुक्ति की वषा में अधिकतम आयु सीमा आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तारीख को 56 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

13

14

समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति परिषद्
(प्रोन्नति और पुष्टि पर विचार करने के लिए)

सीधे भर्ती किए जाने की दशा में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

1. उप महानिदेशक—अध्यक्ष
2. निवेशक (प्रशासन और सतर्कता)—सदस्य
3. सहायक महानिदेशक (खाद्य अपमिश्रण निवारण)—सदस्य
4. उपनिदेशक प्रशासन—सदस्य

टिप्पणी :—पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति को कार्यवाहियां संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

[सं. ए.-12018/16/82-पी एच (एफ एण्ड एन) डी एम एस एण्ड पी एफ ए]
आर.एस. भाथुर, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 16th September, 1993

G.S.R. 480.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Scientific Assistant in the Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad in the Directorate General of Health Services, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad (Senior Scientific Assistant) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of the post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or non-selection post.
1	2	3	4	5
Senior Scientific Assistant	3* (1993) *Subject to variation depending on workload.	General Central Service Group 'B' Non-gazetted, Non-Ministerial	Rs. 1640-60-2600-EB-75-2900.	Selection
Age limit for direct recruits		Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1972.		Educational and other qualifications required for direct recruits.
6		7		8
Not exceeding 30 years. Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. Note.—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu & Kashmir, State, Lahaul & Spiti district and Pangri Sub-division & Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman & Nicobar - Island or Lakshadweep).		No.		Essential : (i) Master's degree in Chemistry/Bio-chemistry or Degree in Food Technology of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' practical experience in examination, inspection and analysis of food and agricultural products. Note 1.—Qualifications are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified. Note 2.—The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to scheduled Castes and scheduled tribes if, at any stage of selection the UPSC is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
8		9		10
Desirable :		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.		Method of recruitment whether by direct recruitment, or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods
Experience in analysis of food additives and contaminants by instrumental methods of analysis using GLC Atomic Absorption Spectrophotometer and paper thin layer Chromatography and/or in microbiological analysis of food.		Age: No Educational Qualifications :No But must possess a bachelor degree in Science with Chemistry as one of the subject.		Two years (i) 60% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment. (ii) 40% by direct recruitment.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.	Circumstances under which UPSC is to be consulted in making recruitment.
12	13	14
<p>Promotion : Technical Assistance with 5 years regular service in the grade.</p> <p>Transfer on deputation : Officers under Central Government :</p> <p>(a)(i) holding analogous posts on regular basis or</p> <p>(ii) with 5 year's regular service in post in the scale of Rs. 1400-2300/2600 or equivalent; and</p> <p>(b) possessing educational qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 8.</p> <p>The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion)</p> <p>(Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years. The maximum age limit for appointment by transfer on deputation shall be not exceeding 56 years, as on the closing date of receipt of applications).</p>	<p>Group 'B' DPC (for considering promotion and confirmation):</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Deputy Director General—Chairman 2. Director (Administration & Vigilance)—Member. 3. Assistant Director General (Prevention of Food Adulteration)—Member. 4. Deputy Director Administration—Member <p>"Note.—The proceeding of the Departmental Promotion Council relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Council to be presided over by the chairman or a Member of the UPSC shall be held".</p>	<p>Consultation with UPSC necessary while making direct recruitment.</p>

[No. A-12018/16/82-PH (F&N) DMS&PFA]

R.S. MATHUR, Under Secy.

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1993

सा.का.नि. 481—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय प्राप्ति नियम खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा यथाप्रयोजित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 783(अ) तारीख 28-9-1992 में भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 28 सितंबर, 1992 में प्रकाशित किए गए थे जिस द्वारा ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनके बारे में उनके द्वारा प्रभावित होना संभाव्य है, उस तारीख से तीस दिन की समाप्ति के पूर्व जिसको भारत के उस राजपत्र की प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जनता के लिए उपलब्ध की गई थी, आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां अन्तर्गत की 7 अक्टूबर, 1993 को उपलब्ध की गई थी,

और प्राप्ति नियमों पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति के साथ परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (-----संशोधन) नियम, 1993 है

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे, मिलाए नियम 7 (7) (ग) के, जो राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से छह मास के पश्चात् प्रवृत्त होगा।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में,—

नियम 42 में, खंड (ययय) (3) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

(ययय) (4) 30 प्रतिशत से अधिक राइस ब्रान तेल से बनाए गए वनस्पति के प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित लेबल लगा होगा, अर्थात्:—

वनस्पति का यह पैकेज भार में 30 प्रतिशत से अधिक राइस ब्रान तेल से बनाया गया है।

(ययय) (5) फेट स्ट्रैंड के प्रत्येक पैकेज पर निम्नलिखित लेबल लगा होगा, अर्थात्:—

(1) दुग्ध फेट स्ट्रैंड
भार में कुल दुग्ध वसा पदार्थ प्रतिशत
पैकिंग की तारीख
..... से पहले प्रयोग करें।

(2) मिश्रित फेट स्ट्रैंड
भार में कुल वसा पदार्थ प्रतिशत
भार में दुग्ध वसा पदार्थ प्रतिशत
पैकिंग की तारीख
..... से पहले प्रयोग करें।

(3) वनस्पति फेट स्ट्रैंड
भार में कुल वसा पदार्थ प्रतिशत
पैकिंग की तारीख
..... से पहले प्रयोग करें।

3. उक्त नियमों के नियम 49 में, उपनियम (22) के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(23) फेट स्ट्रैंड का खूले रूप में विक्रय नहीं किया जाएगा। इसका 500 ग्राम में अधिकतम वजन के मुहरबंद पैकेजों में विक्रय किया जाएगा। उत्पाद पर लेबल लगाने समय “मक्खन” शब्द को सहबद्ध नहीं किया जाएगा। मुहरबंद पैकेजों का विक्रय या विक्रय के लिए प्रस्थापना इन नियमों के अधीन अन्य लेबल लगाने की अपेक्षाओं के अतिरिक्त नियम 42 के उपबंधों के अनुसार घोषणा लेबल पर एगमार्क प्रमाणन चिह्न के अधीन ही की जाएगी।”

4. उक्त नियमों के नियम 55 में, मद (36) और उससे संबंधी प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

37. फेट स्ट्रैंड सार्विक अम्ल और उसके सोडियम, 1000
पोटेशियम और कैल्शियम लवण
(सार्विक अम्ल के रूप में परिकलित, 1000

या येनजोडक अम्ल और इसके सोडियम
और पोटेशियम लवण (येनजोडक अम्ल के
रूप में परिकलित या दोनों 1000

5. उक्त नियमों के नियम 59 में, पांचवें परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परंतु यह और भी कि फेट स्ट्रैंड में व्युत्पन्न हाईड्रोक्सी-निमाल (बो एस ए) या तृतीयक व्युत्पन्न हाईड्रोक्सीनान (टीबी एस क्यू) तथा आधार पर ब्रान में 0.02 प्रतिशत से अधिक मात्रता में हो सकेंगे।

6. उक्त नियमों के नियम 72 की सारणी में, मद 14 के स्तम्भ (2) के उपमद (iii) में, “मैडविक स्ट्रैंड” शब्दों के पश्चात् “या फेट स्ट्रैंड” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

7. उक्त नियमों के परिशिष्ट ख में:—

(i) मद क-10-08 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

क. 10-09 कोकुम वसा के कोकुम (गारसिनिया इंडिका चौडसी) जो कोकुम के नाम से भी जाना जाता है, के साफ और ठोस बीजों की गिरी से निष्पीड़न प्रक्रिया द्वारा अथवा खली या गिरियों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है। यह परिष्कृत की जाएगी। वसा द्रवण पर साफ होगा और विस्कृत गंधिता, अपमिश्रणों, तलछट, निर्लंबित या अन्य विजातीय पदार्थ, पृथक्कृत जल, मिलाए गए रंजक और सुवासक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगा।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :

(क) 40° से. पर व्युत्पन्न-रिफ्रेक्टोमीटर पठन 45.9-47.3
40° से. पर अपवर्तनांक 1.4565 से 1.4575

(ख) साबुनीकरण मान 187—191.7

(ग) असाबुनीकरणीय पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(घ) आयोडीन मान (विज पद्धति) 32—40

(ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा

(च) स्फुरांक (पेंसकी-मार्टेन बंद पद्धति) 250 से. से कम नहीं होगा।

क—10.10 आम्र गुठली वसा से आम्रों (सिंगीफेरा इंडिका लिन) की साफ और ठोस गुठलियों से निष्पीड़न प्रक्रिया द्वारा अथवा खली या गिरियों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है। यह परिष्कृत की जाएगी। वसा द्रवण पर साफ होगा और विस्कृत गंधिता, अपमिश्रणों, तलछट, निर्लंबित या अन्य विजातीय पदार्थ, पृथक्कृत जल, मिलाए गए रंजक और सुवासक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगा।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगा, अर्थात् :

- (क) 40° से. पर व्युत्तिरो-रिफ्रेक्टोमीटर पठन 43.7-51.6
या 40° से. पर अपवर्तनांक 1.4550 से 1.4604
- (ख) साबुनीकरण मान 185—198
- (ग) असाबुनीकरण पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (घ) आयोडीन मान (विज पद्धति) 32—57
- (ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा।
- (च) स्फुरांक (पेंसकी-मार्टेन (बंद) पद्धति) 250° से. से कम नहीं होगा।

क. 10.11 घुपा वसा से घुपा जो भारतीय कोपाल (वेडिगिया इंडिकालिम) वृक्ष के रूप में भी जाना जाता है, के साफ और ठोस बीजों की गिरियों से निष्पीड़न प्रक्रिया द्वारा अथवा खली या गिरियों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है। यह परिष्कृत की जाएगी। वसा द्रवण पर साफ होगी और विद्रुत गंधिता, अपमिश्रणों, तलछट, निलंबित या अन्य विजातीय पदार्थ, पृथक्कृत जल, मिलाए गए रंजक और सुवासक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगी।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :—

- (क) 40° से. पर व्युत्तिरो-रिफ्रेक्टोमीटर पठन 47.5-49.5
 40° से. पर अपवर्तनांक 1.4576 से 1.4590
- (ख) साबुनीकरण मान 187-192
- (ग) असाबुनीकरणीय पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (घ) आयोडीन मान (विज पद्धति) 36-43
- (ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा
- (च) स्फुरांक (पेंसकी मोर्टेन 250° से. से कम नहीं (बंद) पद्धति) होगा

क. 10.12 फुलवारा वसा के फुलवारा (विभिन्न नाम जैसे एसान्द्रा व्युटीरेसी (राक्सव) वेहनी, मोधुका व्युटीरेसिया या वसिया व्युटीरेसिया) के साफ और ठोस बीज की गिरियों से निष्पीड़न प्रक्रिया द्वारा अथवा खली या गिरियों से विलायक निष्कर्षण प्रक्रिया द्वारा प्राप्त की गई वसा अभिप्रेत है। यह परिष्कृत की जायगी। वसा द्रवण पर साफ होगी और विद्रुत गंधिता, अपमिश्रणों, तलछट निलंबित या अन्य विजातीय पदार्थ, पृथक्कृत जल, मिलाए गये रंजक और सुवासक पदार्थों तथा खनिज तेलों से मुक्त होगी।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :—

- (क) 40° से. पर व्युटीरो-रिफ्रेक्टो-मीटर पठन 48.6—51.0
40. से. पर अपवर्तनांक 1.4584—1.4600
- (ख) साबुनीकरण मान 192.5—199.4
- (ग) असाबुनीकरण पदार्थ भार में 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (घ) आयोडीन मान (विज पद्धति) 43.8—47.4
- (ङ) अम्ल मान 0.5 से अधिक नहीं होगा
- (च) स्फुरांक (पेंसकी मोर्टेन (बंद) पद्धति) 250° से. से कम नहीं होगा

(ii) मद क 17.17 में “आर्द्रता तथा अविलेय पदार्थ” शब्दों के स्थान पर “आर्द्रता और वाष्पशील पदार्थ” शब्द रखे जाएंगे।

(iii) मद क 17.18 में — (क) उपमद (क) में, “तोरिया के बीज” शब्दों के स्थान पर “विदेश में पैदा किए गए तोरिया के बीज” शब्द रखे जाएंगे; और

(ख) उपमद (ख) में “ब्रेसिका” शब्द के स्थान पर, “भारत में उत्पादित हैं और ब्रेसिका” शब्दों को रखा जाएगा ;

(iv) मद क. 17.19 में, “ताड़ के तेल का मानव उपभोग के लिए प्रदाय उसे परिष्कृत किए जाने के पश्चात् ही किया जाएगा। यह मद क. 17.51 में अधिकथित मानकों के अनुसार होगा। इसका प्रउबलन ताप (पेंसकी मार्टेन बंद पद्धति) 25° से. से कम नहीं होगा।” शब्द , अंक, अक्षर के स्थान पर “निष्पीड़न की पद्धति से प्राप्त किया गया देश में उत्पादित अपरिष्कृत ताड़ का तेल ऐसे रूप में मानव उपयोग के लिए प्रदाय किया जा सकता है परन्तु उसका अम्ल मान 6.0 से अधिक नहीं होगा। किंतु देश में आयात किया गया या विलायक निष्कर्षण द्वारा उत्पादित ताड़ के तेल को मानव उपयोग के लिए प्रदाय करने से पूर्व परिष्कृत किया जाएगा और यह मद क 17.15 में अधिकथित मानकों के अनुसार होगा। इसके अतिरिक्त इसका स्फुरांक (पेंसकीमार्टेन बंद पद्धति) 250° से.

सं. कम नहीं होगा।" कोष्टक शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे।

- (v) मद क 17.22 में "82.9" अंकों के स्थान पर "65.0" अंक रखे जाएंगे।
- (vi) मद क 17.23 में "श्राद्धता और अविलेय अपद्रव्य" शब्दों के स्थान पर "श्राद्धता और वाष्पशील पदार्थ" शब्द रखे जाएंगे।
- (vii) मद क 0.19 में, —
- (क) उपमद (vii) के अन्त में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु उस वनस्पति की दशा में जिसमें भार के आधार पर राइस ब्रान तेल का अनुपात 30 प्रतिशत से अधिक है, असाबुनीकरणीय पदार्थ भार के आधार पर 2.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। परन्तु यह तब जबकि नियम 42 के खंड (ययय) (4) में यथा-अधिकृत राइस ब्रान तेल की मात्रा उक्त वनस्पति के लेबल पर घोषित कर दी गई है ;

- (ख) उपमद (x) में "इसमें अपरिष्कृत या परिष्कृत तिल का तेल भार में 5 प्रतिशत से कम नहीं होगा किंतु इतना पर्याप्त या परिष्कृत होगा "शब्दों और अंकों के स्थान पर "इसमें अपरिष्कृत या परिष्कृत तिल का तेल पर्याप्त मात्रा में होगा" शब्द रखे जाएंगे।
- (ग) उपमद (xii) में पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
- (xiii) इसमें निम्न 1.5 पी पी एम के अधिक नहीं होगा।
- (viii) मद क 30 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"ए—31 फेट स्प्रेड से वारीय प्रावस्था और जानवर के शरीर की वसा को अपवर्जित करते हुए खाद्य तेलों और वसा की वसा प्रावस्था का तेल इसलियन में जल के रूप में कोई उत्पाद अभिप्रेत है।

फेट स्प्रेड को निम्नलिखित तीन समूहों में वर्गीकृत किया जाएगा :—

- (क) दुग्ध फेट स्प्रेड : वसा अंश अनन्य रूप से दुग्ध वसा के होंगे।
- (ख) मिश्रित फेट स्प्रेड : वसा अंश, दुग्ध वसा और हाइड्रोजनीकृत या अहाइड्रोजनीकृत परिष्कृत खाद्य वनस्पति तेलों या अंतः एम्टरित वसा के किसी एक या अधिक के साथ दुग्ध वसा का मिश्रण होगा।
- (ग) वनस्पति फेट स्प्रेड : वसा अंश किसी दो या अधिक हाइड्रोजनीकृत, अहाइड्रोजनीकृत परिष्कृत

वनस्पति तेलों या अंतः एम्टरित वसा का कोई मिश्रण होगा।

वसा अंशों की लेबल पर घोषणा होगी। मिश्रित फेट स्प्रेड में, कुल वसा अंशों के साथ-साथ दुग्ध वसा अंशों की भी लेबल पर घोषणा की जाएगी।

उत्पाद पर लेबल लगाने समय "मक्खन" शब्द को सहबद्ध नहीं किया जाएगा।

इसके वारीय प्रवस्था में भार के आधार पर 2 प्रतिशत से अनधिक साधारण खाद्य नमक, दुग्ध ठोस-वसा नहीं, 100 पी. पी. एम. से अन्यून और 150 पी. पी. एम. से अनधिक स्टार्च, 4.0 पी. पी. एम. से अनधिक की सीमा तक डाइएसीटिल को सुस्विकारक के रूप में मिलाया जा सकता है, अनुज्ञात पापसीकारक और स्थायीकारक, स्प्रेड के वसा पदार्थ का 0.02 प्रतिशत से अनधिक अनुज्ञात प्रतिआक्सीकारक (बी एच ए या टी. बी. एच. क्यू.) अनुज्ञात वर्ग 2 परिरक्षी जैसे साविक अम्ल जिसमें इसका सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम लवण (साविक अम्ल के रूप में परिकलित) या एकल रूप से या भार में 1000 भाग प्रति वस लाख से अनधिक संयोजन में बेनजोहक अम्ल और उसके सोडियम और पोटेशियम लवण (बेनजोहक लवण के रूप में परिकलित), और प्रच्छादक हैं। इसमें अम्लों और/या कैरोटीन रंजक पदार्थ के रूप में हो सकता है। यह पशु शरीर वसा, खनिज तेल और मांस से मुक्त होगा। वनस्पति वसा स्प्रेड में अपरिष्कृत या परिष्कृत तिल का तेल इतनी पर्याप्त मात्रा में होगा कि जब पृथक्कृत वसा की 20.80 के अनुपात में परिष्कृत मूंगफली के तेल में मिलाया जाए तो बुडोइन परीक्षण द्वारा उत्पादित लाल रंग लोबीवांड स्केल पर 1 से. मी. सेल में 2.6 लाख यूनिटों से हलका नहीं होगा।

यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगा, अर्थात् :—

- (1) वसा भार में 80 प्रतिशत से अनधिक और 40 प्रतिशत से अन्यून
- (2) श्राद्धता भार में 56 प्रतिशत से अनधिक और 16 प्रतिशत से अन्यून।
- (3) वनस्पति फेट स्प्रेड की दशा में निष्कषित वसा का गलनांक बिंदु (कैपिलरी स्विप पद्धति)
- (4) निष्कर्षित वसा का असाबुनीकरणीय पदार्थ :—
- (क) दुग्ध वसा और मिश्रित भार में 1 प्रतिशत से अधिक नहीं। फेट स्प्रेड की दशा में
- (ख) वनस्पति फेट स्प्रेड की—1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं। दशा में

(ग) निष्कषित वसा का श्रम मान—0.5 अधिक नहीं।

यह अनिवार्य रूप से एगमार्क प्रमाणन चिह्न के अधीन 500 ग्राम से अधिक वजन के मुहरबंद पैकेजों में विक्रय किया जाएगा।

(5) वनस्पति वसा स्लीड में पैकिंग के समय प्रति ग्राम कम से कम 25 आई. यू. संश्लिष्ट विटामिन "ए" होगा और जब उसका परीक्षण एंटीमनी ट्राइक्लोराइड (कार-प्राइस) रीजेंट (आई एस 5886—1970 के अनुसार) द्वारा किया जाए तो विटामिन "ए" के लिए सकारात्मक परीक्षण दर्शाएगा।"

[सं. पी. 15014/2/9-2-पी एच (एफ एवं एन)]
भूपेन्द्र सिंह, लांब्रा, संयुक्त सचिव

टिप्पणी: खाद्य अपशिष्टन निवारण नियम, 1955 प्रथम बार भारत के राष्ट्रपति के भाग 2, खंड 3, में का.शा. 2106, तारीख 13-9-59 को प्रकाशित किए गए और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

1. का.नि.प्रा. 1202 दिनांक 26-5-58
2. का.नि.प्रा. 1687 दिनांक 28-7-56
3. का.नि.प्रा. 2213 दिनांक 29-9-56 (असाधारण)
4. का.नि.प्रा. 2755, दिनांक 24-11-56
उसमें दिए गए और संशोधन भारत के राष्ट्रपति के भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में इस प्रकार प्रकाशित किए गए थे :—
5. सा.का.नि. 514 दिनांक 28-6-58
6. सा.का.नि. 1211 दिनांक 20-12-58
7. सा.का.नि. 425 दिनांक 4-4-60
8. सा.का.नि. 169 दिनांक 11-2-61
9. सा.का.नि. 1134 दिनांक 16-9-61
10. सा.का.नि. 1340 दिनांक 4-11-61
11. सा.का.नि. 1564 दिनांक 24-11-62
12. सा.का.नि. 1589 दिनांक 22-10-64
13. सा.का.नि. 1814 दिनांक 11-12-65
14. सा.का.नि. 74 दिनांक 8-1-65
15. सा.का.नि. 382 दिनांक 19-3-66
16. सा.का.नि. 1256 दिनांक 26-8-67
17. सा.का.नि. 1533 दिनांक 24-8-68
18. सा.का.नि. 2163 दिनांक 14-12-68 (शुद्धिपत्र)
19. सा.का.नि. 532 दिनांक 8-3-69
20. सा.का.नि. 1764 दिनांक 26-7-69 (शुद्धिपत्र)
21. सा.का.नि. 2068 दिनांक 30-8-69
22. सा.का.नि. 1808 दिनांक 24-10-70
23. सा.का.नि. 938 दिनांक 12-6-71
24. सा.का.नि. 992 दिनांक 3-7-71
25. सा.का.नि. 553 दिनांक 6-5-72
26. सा.का.नि. 436 (अ) दिनांक 10-10-72
27. सा.का.नि. 133 दिनांक 10-2-73

28. सा.का.नि. 205 दिनांक 23-2-74
29. सा.का.नि. 850 दिनांक 12-7-75
30. सा.का.नि. 508 (अ) दिनांक 27-9-75
31. सा.का.नि. 63 (अ) दिनांक 5-2-76
32. सा.का.नि. 754 दिनांक 29-5-76
33. सा.का.नि. 856 दिनांक 12-6-76
34. सा.का.नि. 1417 दिनांक 2-10-76
35. सा.का.नि. 4 (अ) दिनांक 4-1-77
36. सा.का.नि. 18 (अ) दिनांक 15-1-77
37. सा.का.नि. 651 (अ) दिनांक 20-10-77
38. सा.का.नि. 732 (अ) दिनांक 5-12-77
39. सा.का.नि. 775 (अ) दिनांक 27-12-77
40. सा.का.नि. 36 (अ) दिनांक 21-1-78
41. सा.का.नि. 70 (अ) दिनांक 8-2-78
42. सा.का.नि. 238 (अ) दिनांक 20-4-78
43. सा.का.नि. 393 (अ) दिनांक 4-8-78
44. सा.का.नि. 690 (अ) दिनांक 23-12-78
45. सा.का.नि. 55 (अ) दिनांक 31-1-79
46. सा.का.नि. 142 (अ) दिनांक 10-3-79 (शुद्धिपत्र)
47. सा.का.नि. 231 (अ) दिनांक 6-4-79
48. सा.का.नि. 423 दिनांक 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
49. सा.का.नि. 1043 दिनांक 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
50. सा.का.नि. 1210 दिनांक 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
51. सा.का.नि. 19 (अ) दिनांक 25-1-80
52. सा.का.नि. 243 (अ) दिनांक 1-3-80
53. सा.का.नि. 244 (अ) दिनांक 1-3-80 (शुद्धिपत्र)
54. सा.का.नि. 996 दिनांक 8-9-80 (शुद्धिपत्र)
55. सा.का.नि. 579 (अ) दिनांक 13-10-80
56. सा.का.नि. 652 (अ) दिनांक 14-11-80
57. सा.का.नि. 710 (अ) दिनांक 22-12-80
58. सा.का.नि. 23 (अ) दिनांक 16-1-80
59. सा.का.नि. 205 (अ) दिनांक 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
60. सा.का.नि. 290 (अ) दिनांक 13-4-81
61. सा.का.नि. 444 दिनांक 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
62. सा.का.नि. 503 (अ) दिनांक 1-9-81
63. सा.का.नि. 891 दिनांक 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
64. सा.का.नि. 1056 दिनांक 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
65. सा.का.नि. 80 दिनांक 23-1-80 (शुद्धिपत्र)
66. सा.का.नि. 44 (अ) दिनांक 5-2-82
67. सा.का.नि. 57 (अ) दिनांक 11-2-82
68. सा.का.नि. 245 (अ) दिनांक 11-3-82
69. सा.का.नि. 307 (अ) दिनांक 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
70. सा.का.नि. 386 दिनांक 17-4-82 (शुद्धिपत्र)
71. सा.का.नि. 422 (अ) दिनांक 24-5-82
72. सा.का.नि. 476 (अ) दिनांक 29-4-83
73. सा.का.नि. 501 (अ) दिनांक 20-7-82 (शुद्धिपत्र)
74. सा.का.नि. 753 (अ) दिनांक 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
75. सा.का.नि. 109 (अ) दिनांक 26-2-81
76. सा.का.नि. 249 (अ) दिनांक 8-3-83
77. सा.का.नि. 209 (अ) दिनांक 16-3-83
78. सा.का.नि. 233 (अ) दिनांक 26-3-83
79. सा.का.नि. 329 (अ) दिनांक 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
80. सा.का.नि. 539 (अ) दिनांक 1-7-93 (शुद्धिपत्र)
81. सा.का.नि. 631 दिनांक 8-8-83 (शुद्धिपत्र)
82. सा.का.नि. 743 दिनांक 9-10-83 (शुद्धिपत्र)
83. सा.का.नि. 790 (अ) दिनांक 10-10-83
84. सा.का.नि. 803 (अ) दिनांक 27-10-81

85. सा.का.नि. 816(अ) दिनांक 3-11-83
90. सा.का.नि. 829(अ) दिनांक 7-11-83
87. सा.का.नि. 818(अ) दिनांक 13-11-83
88. सा.का.नि. 893(अ) दिनांक 17-12-83 (शुद्धिपत्र)
89. सा.का.नि. 113 दिनांक 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
90. सा.का.नि. 509(अ) दिनांक 9-7-84
91. सा.का.नि. 612(अ) दिनांक 18-8-84 (शुद्धिपत्र)
92. सा.का.नि. 744(अ) दिनांक 27-10-84
93. सा.का.नि. 764(अ) दिनांक 15-11-84
94. सा.का.नि. 3(अ) दिनांक 1-1-85
95. सा.का.नि. 11(अ) दिनांक 4-1-85
96. सा.का.नि. 142(अ) दिनांक 3-3-85 (शुद्धिपत्र)
97. सा.का.नि. 293(अ) दिनांक 23-3-85
98. सा.का.नि. 364(अ) दिनांक 18-3-85 (शुद्धिपत्र)
99. सा.का.नि. 385(अ) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
100. सा.का.नि. 543(अ) दिनांक 2-7-85
101. सा.का.नि. 556(अ) दिनांक 4-7-85
102. सा.का.नि. 587(अ) दिनांक 17-7-85 (शुद्धिपत्र)
103. सा.का.नि. 698(अ) दिनांक 24-7-85
104. सा.का.नि. 745(अ) दिनांक 29-9-85
105. सा.का.नि. 746(अ) दिनांक 20-9-85
106. सा.का.नि. 748(अ) दिनांक 23-9-85 (शुद्धिपत्र)
107. सा.का.नि. 892(अ) दिनांक 6-12-85
108. सा.का.नि. 902(अ) दिनांक 17-12-85 (शुद्धिपत्र)
109. सा.का.नि. 73(अ) दिनांक 29-7-86
110. सा.का.नि. 507(अ) दिनांक 19-3-86
111. सा.का.नि. 724(अ) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
112. सा.का.नि. 881(अ) दिनांक 13-6-86
113. सा.का.नि. 852(अ) दिनांक 13-6-86
114. सा.का.नि. 910(अ) दिनांक 27-6-86
115. सा.का.नि. 939(अ) दिनांक 9-7-86 (शुद्धिपत्र)
116. सा.का.नि. 1008(अ) दिनांक 10-8-86 (शुद्धिपत्र)
117. सा.का.नि. 1149(अ) दिनांक 15-10-86 (शुद्धिपत्र)
118. सा.का.नि. 1207(अ) दिनांक 18-11-86
119. सा.का.नि. 1228(अ) दिनांक 27-11-86
120. सा.का.नि. 12(अ) दिनांक 5-1-87
121. सा.का.नि. 23(अ) दिनांक 13-1-87 (शुद्धिपत्र)
122. सा.का.नि. 270(अ) दिनांक 2-3-87
123. सा.का.नि. 344(अ) दिनांक 31-3-87 (शुद्धिपत्र)
124. सा.का.नि. 422(अ) दिनांक 29-4-87
125. सा.का.नि. 500(अ) दिनांक 15-5-87 (शुद्धिपत्र)
126. सा.का.नि. 569(अ) दिनांक 12-6-87 (शुद्धिपत्र)
127. सा.का.नि. 840(अ) दिनांक 6-10-87
128. सा.का.नि. 900(अ) दिनांक 10-11-87
129. सा.का.नि. 916(अ) दिनांक 17-11-87
130. सा.का.नि. 917(अ) दिनांक 17-11-87
131. सा.का.नि. 918(अ) दिनांक 17-11-87
132. सा.का.नि. 72(अ) दिनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)
133. सा.का.नि. 73(अ) दिनांक 4-2-88 (शुद्धिपत्र)
134. सा.का.नि. 366(अ) दिनांक 23-7-89 (शुद्धिपत्र)
135. सा.का.नि. 367(अ) दिनांक 23-3-88
136. सा.का.नि. 437(अ) दिनांक 8-4-88

137. सा.का.नि. 436(अ) दिनांक 8-4-88
138. सा.का.नि. 454(अ) दिनांक 3-4-88
139. सा.का.नि. 618(अ) दिनांक 16-5-88
140. सा.का.नि. 855(अ) दिनांक 12-8-88
141. सा.का.नि. 856(अ) दिनांक 12-8-88
142. सा.का.नि. 921(अ) दिनांक 13-9-88 (शुद्धिपत्र)
143. सा.का.नि. 1081(अ) दिनांक 17-11-88
144. सा.का.नि. 1157(अ) दिनांक 9-12-88
145. सा.का.नि. 42(अ) दिनांक 20-1-89 (शुद्धिपत्र)
146. सा.का.नि. 128(अ) दिनांक 8-3-90
147. सा.का.नि. 411(अ) दिनांक 29-3-90
148. सा.का.नि. 445(अ) दिनांक 18-4-90
149. सा.का.नि. 457(अ) दिनांक 23-4-90
150. सा.का.नि. 729(अ) दिनांक 23-8-90
151. सा.का.नि. 732(अ) दिनांक 23-8-90
152. सा.का.नि. 727(अ) दिनांक 23-8-90
153. सा.का.नि. 764(अ) दिनांक 7-9-90
154. सा.का.नि. 10(अ) दिनांक 7-1-91
155. सा.का.नि. 24(अ) दिनांक 15-1-91
156. सा.का.नि. 124(अ) दिनांक 5-3-91
157. सा.का.नि. 281(अ) दिनांक 29-5-91
158. सा.का.नि. 257(अ) दिनांक 3-5-91
159. सा.का.नि. 494(अ) दिनांक 25-7-91
160. सा.का.नि. 731(अ) दिनांक 10-12-91
161. सा.का.नि. 91(अ) दिनांक 7-2-92
162. सा.का.नि. 191(अ) दिनांक 18-2-92
163. सा.का.नि. 314(अ) दिनांक 9-3-92 (शुद्धिपत्र)
164. सा.का.नि. 521(अ) दिनांक 15-5-92
165. सा.का.नि. 591(अ) दिनांक 15-6-92
166. सा.का.नि. 596(अ) दिनांक 17-6-92 (शुद्धिपत्र)
167. सा.का.नि. 784(अ) दिनांक 28-9-92
168. सा.का.नि. 903(अ) दिनांक 2-12-92
169. सा.का.नि. 907(अ) दिनांक 4-12-92
170. सा.का.नि. 483(अ) दिनांक 30-6-93 (शुद्धिपत्र)
171. सा.का.नि. 2509(अ) दिनांक 14-7-93 (शुद्धिपत्र)

New Delhi, the 16th September, 1993

G.S.R. 481.—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published as required by sub-section (1) of Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) in the notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 783(E) dated 28-9-92 in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (i) dated the 28th September, 1992 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected hereby before the expiry of thirty days from the date on which the copies of the Gazette of India in which the said notification was published, were made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 7th January, 1993.

And where, the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules fur-

ther to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (.....Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette except rule 7(vii)C which shall come into force after six months from the date of its publication in the official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 42, after clause (zzz) (3) the following shall be inserted namely:—

“(zzz)(4) Every package of vanaspati made from more than 30 per cent of Rice bran oil shall bear the following label, namely :—

30 per cent Rice bran oil by weight”
This package of vanaspati is made from more than

(zzz) (5) Every package containing Fat Spread shall carry following shall be inserted, namely :—

(i) Milk Fat Spread
Use before.....
Date of packing.....
Per cent by weight
Total Milk Fat Content.....

Use before.....
Date of packing.....
Percent by weight
Milk Fat Content.....
Percent by weight
Total Fat Content.....
(ii) Mixed Fat Spread

Use before.....
Date of packing.....
Per cent by weight
Total Fat Content.....
(iii) Vegetable Fat Spread

3. In rule 49 of the said rules, after sub-rule (22) the following shall be inserted, namely :—

“(23) The Fat spread shall not be sold in loose form. It shall be sold in sealed packages weighing not more than 500 gms. The word ‘butter’ shall not be associated while labelling the product. The sealed package shall be sold or offered for sale only under AGMARK Certification mark bearing the label declaration as provided under rule 42 besides other labelling requirements under these rules”.

4. In rule 55 of the said rules, after item (36) and entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

37. Fat Spread	Sorbic acid and its sodium, Potassium and calcium salts (Calculated as sorbic acid)	1000
	Or Benzoic acid and its sodium and potassium salts (Calculated as benzoic acid) or both	1000
		1000

5. In rule 59 of the said rules, after the fifth proviso, the following shall be inserted, namely :—

“Provided also that fat spread may contain Butylated hydroxyanisole (BHA) or Tertiary butyl hydro quinone (TBHQ) in a concentration not exceeding 0.02 per cent by weight on fat basis.

6. In rule 72 of the said rules, in the table, in item 14, in column (2), in sub-item (iii) after the words ‘Sandwich spread’, the words “or Fat Spread” shall be inserted.

7. In Appendix B of the said rules:—

(i) after item A.10.8, the following items shall be inserted, namely :—

“A.10.09. Kokum Fat means the fat obtained from clean and sound kernels of kokum (*Garcinia indica choisy*) also known as kokum, by process of expression or by a process of solvent extraction from cake or kernel. It shall be refined. The fat shall be clear on melting and free from rancidity, adulterants, sediment, suspended or other foreign matter, separated water, added colouring and flavouring matters and mineral oil.”

It shall also conform to the following standards, namely :—

(a) Butyro-refractometer reading at 40° C. or Refractive Index at 40°C	45.9—47.3 1.4565 to 1.4575
(b) Saponification value	187—191.7
(c) Unsaponifiable matters	Not more than 1.5 per cent by weight
(d) Iodine value (wijs)	32—40
(e) Acid value	Not more than 0.5
(f) Flash Point [Pensky-Martens (closed) method]	Not less than 250°C

A.10.10. Mango Kernel Fat means the fat obtained from clean and sound kernels of Mango (*Magifera Indica* Linn) by process of expression or by a process of solvent extraction from cake or kernel. It shall be refined. The fat shall be clear on melting and free from rancidity, adulterants, sediment suspended or other foreign matter, separated water, added colouring and flavouring matters and mineral oil.

It shall also conform to the following standards, namely:—

(a) Butyro-refractometer reading at 40°C or Refractive Index at 40°C	43.7—51.6 1.4550 to 1.4604
(b) Saponification Value	185—198
(c) Unsaponifiable matter	Not more than 1.5 per cent by weight
(d) Iodine value (wijs)	32—57
(e) Acid Value	Not more than 0.5
(f) Flash Point [Pensky Martens (closed) method]	Not less than 250°C

A.10.11 Dhupa Fat means the fat obtained from clean and sound seed kernels of Dhupa, also known as Indian Copal (*Vateria Indica* Linn) tree by process of expression or by a process of solvent extraction from cake or kernel. It shall be refined. The fat shall be clear on melting and free from rancidity, adulterants, sediment, suspended on other foreign matter, separated water, added colouring and flavouring matter and mineral oil.

It shall also conform to the following standards, namely:—

(a) Butyro refractometer reading at 40°C or Refractive Index at 40°C	47.5—49.5 1.4576 to 1.4590
(b) Saponification value	187—192
(c) Unsaponifiable matter	Not more than 1.5 per cent by weight
(d) Iodine value (wijs)	36—43
(e) Acid value	Not more than 0.5
(f) Flash Point [Pensky Martens (closed) method]	Not less than 250°C

A.10.12 Phulwara Fat means the fat obtained from clean and sound seed kernels of Phulwara [variously named Aisan-dra Butyrace (Roxb) Bachmi, Madhuca Butyracea or Bassia Butyracea] by a process of expression or by a process of

solvent extraction from cake or Kernel. It shall be refined. The fat shall be clear on melting and shall be free from rancidity, adulterants, sediments, suspended or other foreign matters, separated waters, added colouring and flavouring substances and mineral oil.

It shall also conform to the following standards, namely:—

- | | |
|--|-------------------------------------|
| (a) Butyro refractometer reading at 40°C or Refractive Index at 40°C | 48.6–51.0
1.4584–1.4600 |
| (b) Saponification value | 192.5–199.4 |
| (c) Unsaponifiable matter | Not more than 1.5 percent by weight |
| (d) Iodine value (wijs) | 43.8–47.4 |
| (e) Acid value | Not more than 0.5 |
| (f) Flash Point (Pensky Martens (closed) method) | Not less than 250°C ⁰⁰ |

(ii) in item A.17.17, for the words “Moisture and insoluble matter”, the words “Moisture and volatile matter” shall be substituted;

(iii) in item A.17.18(a) in sub item (1), for the words, ‘imported rapeseed’ the words ‘rapeseed grown abroad’ shall be substituted, and (b) in sub-item (ii), after the words ‘the oil’ the words, “produced in India” shall be inserted;

(iv) in item A.17.19, for the words, “palm oil shall be refined before it is supplied for human consumption and it shall conform to the standards laid down under item A.17.15. Additionally, it shall have Flash Point (Pensky-Marten closed method)—Not less than 250 degree C”, the words “Indigenously produced Raw Palm Oil obtained by method of expression may be supplied for human consumption as such provided acid value is not more than 6.0. But palm oil imported into the country or produced by solvent extraction shall be refined before it is supplied for human consumption and it shall conform to the standards laid down under A.17.15. Additionally, it shall have Flash Point (Pensky-Marten closed method)—Not less than 250 degree C”, shall be substituted;

(v) in item A.17.22, for the figure, “82.9” the figure “65.0” shall be substituted;

(vi) in item A.17.23, for the words ‘moisture and insoluble impurities’ the words “Moisture and volatile matter” shall be substituted.

(vii) in item A.19,—

(a) in sub-item (vii), the following shall be inserted at the end, namely:—

“but in case of vanaspati where proportion of rice bran oil is more than 30 percent by weight, the unsaponifiable matter shall be not more than 2.5 per cent by weight provided quantity of rice bran oil is declared on the label of such vanaspati as laid down in clause (zzz)(4) of rule 42;

(b) in sub-item (x) for the words, “It shall contain raw or refined-Sesame (til) oil not less than 5 per cent by weight but sufficient,” the words “It shall contain raw or refined Sesame (til) oil in sufficient quantity” shall be substituted;

(c) after sub-item (xii), the following shall be inserted, namely:—

“(xiii) It shall not have nickel exceeding 1.5 ppm”;

(viii) after item A.30, and entries relating thereto, the following shall be inserted namely:—

2073 GI/93—3

“A. 31. Fat spread means a product in the form of water in oil emulsion, of an aqueous phase and a fat phase of edible oils and fats excluding animal body fats. The individual oil and fat used in the spread shall conform to the respective standards prescribed by these rules.

Fat spread shall be classified into the following three groups:—

- | | |
|--------------------------|--|
| (a) Milk fat spread | Fat content will be exclusively milk fat. |
| (b) Mixed fat spread | Fat content will be a mixture of milk fat with any one or more of hydrogenated, unhydrogenated refined edible vegetable oils or interesterified fat. |
| (c) Vegetable fat spread | Fat content will be a mixture of any two or more of hydrogenated, unhydrogenated refined vegetable oils or interesterified fat. |

The fat content shall be declared on the label. In mixed fat spread, the milk fat content shall also be declared on the label along with the total fat content.

The word ‘butter’ will not be associated while labelling the product.

It may contain edible common salt not exceeding 2 per cent by weight in aqueous phase; milk solids-not-fat; starch not less than 100 ppm and not more than 150 ppm; Diacetyl may be added as flavouring agents not exceeding 4.0 ppm, permitted emulsifiers and stabilisers; permitted antioxidants (BHA or TBHQ) not exceeding 0.02 per cent of the fat content of the spread; permitted class II preservatives namely sorbic acid including its sodium, potassium and calcium salts (calculated as sorbic acid) or benzoic acid and its sodium and potassium salts (calculated as benzoic acid) singly or in combination not exceeding 1000 parts per million by weight; and sequestering agents. It may contain annatto and/or carotene as colouring agents. It shall be free from animal body fat, mineral oil and wax. Vegetable fat spread shall contain raw or refined Sesame oil (Til oil) in sufficient quantity so that when separated fat is mixed with refined groundnut oil in the proportion of 20:80, the red colour produced by Baudouin test shall not be lighter than 2.5 red units in 1 cm cell on a Lovibond scale.

It shall also conform to the following standards, namely:—

- | | |
|--|--|
| (i) Fat | Not more than 80 percent and not less than 40 percent by weight. |
| (ii) Moisture | Not more than 56 percent and not less than 16 percent by weight. |
| (iii) Melting point of Extracted fat (capillary slip method) in case of vegetable fat spread | Not more than 7°C |
| (iv) Unsaponifiable matter of extracted fat— | |
| In case of milk fat and mixed fat spread | Not more than 1 percent by weight |

- (b) In case of vegetable fat spread Not more than 1.5 per cent
- (c) acid value of extracted fat Not more than 0.5

It shall be compulsorily sold in sealed packages, weighing not more than 500 g. under Agmark certification mark.

- (vi) The vegetable fat spread shall contain not less than 25 IU synthetic vitamin 'A' per gram at the time of packing and shall show a positive test for vitamin 'A' when tested by Antimony Trichloride (Carr-Price) reagents (as per I.S. 5886—1970)".

[No. P. 15014/2/92-PH (Food)]

B. S. LAMBA, Jt. Secy.

Note.—The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Part II, Section 3 of the Gazette of India vide SRO 2105 dated 12th September, 1955 and subsequently amended as follows by :—

1. SRO 1202 dated 26-5-56
2. SRO 1687 dated 28-7-56
3. SRO 2213 dated 28-9-56 Extraordinary
4. SRO 2755 dated 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by :—

5. GSR 514 dated 28-6-58
6. GSR 1211 dated 20-12-58
7. GSR 425 dated 4-4-60
8. GSR 169 dated 11-2-61
9. GSR 1134 dated 16-9-61
10. GSR 1340 dated 4-11-61
11. GSR 1564 dated 24-11-62
12. GSR 1589 dated 22-10-64
13. GSR 1814 dated 11-12-65
14. GSR 74 dated 8-1-66
15. GSR 382 dated 19-3-66
16. GSR 1256 dated 26-8-67
17. GSR 1533 dated 24-8-68
18. GSR 2163 dated 14-12-68 Corrigendum
19. GSR 532 dated 8-3-69
20. GSR 1764 dated 26-7-69 Corrigendum
21. GSR 2068 dated 30-9-69
22. GSR 1808 dated 24-10-70
23. GSR 938 dated 12-6-71
24. GSR 992 dated 3-7-71
25. GSR 553 dated 6-5-72
26. GSR 436(E) dated 10-10-72
27. GSR 133 dated 10-2-73
28. GSR 205 dated 23-2-74
29. GSR 850 dated 12-7-75
30. GSR 508(F) dated 27-9-75
31. GSR 63(E) dated 5-2-76
32. GSR 754 dated 9-2-76
33. GSR 755 dated 29-5-76
34. GSR 856 dated 12-6-76
35. GSR 1417 dated 2-10-76
36. GSR 4(E) dated 4-1-77
37. GSR 18(F) dated 15-1-77
38. GSR 651(E) dated 20-10-77
39. GSR 732(E) dated 5-12-77
40. GSR 755(E) dated 27-12-77
41. GSR 36(E) dated 21-1-78
42. GSR 70(E) dated 8-2-78
43. GSR 238(F) dated 20-4-78
44. GSR 393(F) dated 4-8-78
45. GSR 590(F) dated 23-12-78
46. GSR 55(E) dated 31-1-79

47. GSR 142(E) dated 16-3-79 Corrigendum
48. GSR 231(E) dated 6-4-79
49. GSR 1843 dated 11-8-79 Corrigendum
50. GSR 1210 dated 29-9-79 Corrigendum
51. GSR 19(E) dated 28-1-80
52. GSR 243 dated 1-3-80
53. GSR 244 dated 1-3-80
54. GSR 996 dated 27-9-80 Corrigendum
55. GSR 579(E) dated 13-10-80
56. GSR 652(E) dated 14-11-80
57. GSR 710(E) dated 22-12-80
58. GSR 23(E) dated 16-1-81
59. GSR 205(E) dated 25-3-81 Corrigendum
60. GSR 290(E) dated 13-4-81
61. GSR 444 dated 2-5-81 Corrigendum
62. GSR 503(E) dated 1-9-81
63. GSR 891 dated 3-10-81 Corrigendum
64. GSR 1056 dated 5-12-81 Corrigendum
65. GSR 80 dated 23-1-82 Corrigendum
66. GSR 44(E) dated 5-2-82
67. GSR 57(E) dated 11-2-82
68. GSR 245(E) dated 11-3-82
69. GSR 307(E) dated 3-4-82 Corrigendum
70. GSR 386 dated 17-4-82 Corrigendum
71. GSR 422(E) dated 24-5-82
72. GSR 476(E) dated 29-6-82
73. GSR 504(E) dated 20-7-82 Corrigendum
74. GSR 753(E) dated 11-12-82 Corrigendum
75. GSR 109(E) dated 26-2-83
76. GSR 249(E) dated 8-3-83
77. GSR 268(E) dated 16-3-83
78. GSR 283(E) dated 25-3-83
79. GSR 329(E) dated 14-4-83 Corrigendum
80. GSR 539(F) dated 1-7-83 Corrigendum
81. GSR 634 dated 9-5-83 Corrigendum
82. GSR 743 dated 8-10-83 Corrigendum
83. GSR 790(E) dated 10-10-83
84. GSR 803(E) dated 27-10-83
85. GSR 816(E) dated 3-11-83
86. GSR 829(E) dated 7-11-83
87. GSR 848(E) dated 19-11-83
88. GSR 893(E) dated 17-12-83 Corrigendum
89. GSR 113 dated 20-1-84 Corrigendum
90. GSR 500(F) dated 9-7-84
91. GSR 512(E) dated 13-8-84 Corrigendum
92. GSR 744(E) dated 27-10-84
93. GSR 764(E) dated 15-11-84
94. GSR 3(E) dated 1-1-85
95. GSR 11(E) dated 4-1-85
96. GSR 142(F) dated 8-3-85 Corrigendum
97. GSR 293(E) dated 23-3-85
98. GSR 368(E) dated 18-4-85 Corrigendum
99. GSR 385(E) dated 29-4-85 Corrigendum
100. GSR 543(E) dated 2-7-85
101. GSR 550(E) dated 4-7-85
102. GSR 587(E) dated 17-7-85 Corrigendum
103. GSR 605(E) dated 24-7-85
104. GSR 745(E) dated 20-9-85
105. GSR 746(E) dated 20-9-85
106. GSR 748(F) dated 23-9-85 Corrigendum
107. GSR 892(E) dated 6-12-85
108. GSR 903(E) dated 17-12-85 Corrigendum
109. GSR 73(E) dated 29-1-86
110. GSR 507(E) dated 19-3-86
111. GSR 724(E) dated 29-4-86 Corrigendum
112. GSR 851(E) dated 13-6-86
113. GSR 852(E) dated 13-6-86

114. GSR 910(E) dated 27-6-86
115. GSR 939(E) dated 9-7-86 Corrigendum
116. GSR 1008(E) dated 18-8-86 Corrigendum
117. GSR 1149(E) dated 15-10-86 Corrigendum
118. GSR 1207(E) dated 18-11-86
119. GSR 1207(E) dated 18-11-86 Corrigendum
120. GSR 1228(E) dated 27-11-86
121. GSR 12(E) dated 5-1-87
122. GSR 270(E) dated 2-3-87
123. GSR 344(E) dated 31-3-87 Corrigendum
124. GSR 422(E) dated 29-4-87 Corrigendum
125. GSR 500(E) dated 15-5-87 Corrigendum
126. GSR 569(E) dated 12-6-87
127. GSR 840(E) dated 6-10-87
128. GSR 900(E) dated 10-11-87
129. GSR 916(E) dated 17-11-87
130. GSR 917(E) dated 17-11-87
131. GSR 918(E) dated 17-11-87 Corrigendum
132. GSR 72(E) dated 3-2-88 Corrigendum
133. GSR 73(E) dated 3-2-88 Corrigendum
134. GSR 366(E) dated 23-3-88 Corrigendum
135. GSR 367(E) dated 23-3-88
136. GSR 437(E) dated 8-4-88
137. GSR 436(E) dated 8-4-88
138. GSR 454(E) dated 8-4-88
139. GSR 618(E) dated 16-5-88
140. GSR 855(E) dated 12-8-88
141. GSR 856(E) dated 12-3-88
142. GSR 924(E) dated 13-9-88 Corrigendum
143. GSR 1081(E) dated 17-11-88
144. GSR 1157(E) dated 9-12-88
145. GSR 42(E) dated 20-1-89 Corrigendum
146. GSR 128(E) dated 8-3-90
147. GSR 411(E) dated 29-3-90
148. GSR 445(E) dated 16-4-90
149. GSR 457(E) dated 23-4-90
150. GSR 729(E) dated 23-8-90
151. GSR 732(E) dated 23-8-90
152. GSR 727(E) dated 23-8-90
153. GSR 764(E) dated 7-9-90
154. GSR 10(E) dated 7-1-91
155. GSR 24(E) dated 15-1-91
156. GSR 124(E) dated 5-3-91
157. GSR 281(E) dated 29-5-91
158. GSR 257(E) dated 3-5-91
159. GSR 494(E) dated 25-7-91
160. GSR 731(E) dated 10-12-91
161. GSR 91(E) dated 7-2-92
162. GSR 101(E) dated 18-2-92
163. GSR 314(E) dated 9-3-92 Corrigendum
164. GSR 524(E) dated 15-5-92
165. GSR 591(E) dated 15-6-92
166. GSR 596(E) dated 17-6-92
167. GSR 784(E) dated 28-9-92
168. GSR 903(E) dated 2-12-92
169. GSR 907(E) dated 4-12-92
170. GSR 483(E) dated 30-6-93 Corrigendum
171. GSR 509(E) dated 14-7-93 Corrigendum

भर्ती नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने के अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आकाशवाणी (समूह 'घ' पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1993 है।

(2) ये 1 जून, 1986 से प्रभावी समझे जाएंगे।

2. आकाशवाणी (समूह 'न' पद) भर्ती नियम, 1979 को अनुसूची में :—

(क) क्रम संख्यांक 1 के सामने इंजीनियरी सहायक के पद से संबंधित स्तम्भ 5 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"1400-10 1600-50-2300-र.रो.-60-2600 रुपये"

(ख) क्रम संख्यांक 2 के सामने मास्ट तकनीशियन के पद से संबंधित, स्तम्भ 5 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा अर्थात् :—

"1320-30-1560-र.रो.-40-2040 रुपये"

(ग) क्रम संख्यांक 3 के सामने तकनीशियन के पद से संबंधित स्तम्भ 5 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"1200-30-1440-र.रो.-30-1800 र."

स्पष्टीकरण आपन

अधीनस्थ विधायन समिति (दरबारी लोक सभा) ने अपनी दूसरी रिपोर्ट में यह संश्लेषण किया था कि इंजीनियरी सहायक, मास्ट तकनीशियन और तकनीशियन के पद के लिए भर्ती नियमों में जोड़े केन्द्र प्रवेश परीक्षा द्वारा नियुक्ति किए गए उच्च पदों के पुरस्चित वेतनमान नहीं दिए गए हैं। वार्षिक व्यवहार में इन पदों पर कार्य करते पदधारी 1 जनवरी, 1986 से पुनर्निर्दिष्ट वेतनमान ले रहे हैं। इन परिवर्तन को प्रभावी करने के लिए आकाशवाणी (समूह "न" पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1991 में पुनरीक्षण वेतनमान सम्मिलित कर दिए गए थे। तथापि, अनवधानता से वे इस प्रकार अधिलेखित किए गए थे कि राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे। चूंकि उक्त अधिलेखन वार्षिक सत्य प्रमाण नहीं होते थे इसलिए यह महसूस किया गया है कि यह संशोधन जारी करके गलती को सुधारा जाए।

2. इस अधिलेखन को सूचना और प्रसारण मंत्रालय की दिनांक 19-10-1992 की अधिलेखन संख्या 310/46/89-बी (डी) के अन्तर्गत जारी दिनांक 5-12-1992 की अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 553 के अधिक्रमण में जारी किया जाता है।

[संख्या 310/46/89-बी (डी.)]

बी.के. शर्मा, अवर सचिव

टिप्पणी: प्रमुख नियमों को 2 जून, 1979 की सा.का.नि. 762 द्वारा अधिलेखित किया गया था और क्रमशः निम्न द्वारा संशोधन किया गया।

1. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 150 दिनांक 7-2-1981
2. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 605 दिनांक 22-6-1985
3. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 727 दिनांक 6-9-1985
4. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 302 दिनांक 25-4-1987
5. अधिलेखन संख्या 3/45/88-एस. चार (ए) (बी) (डी) दिनांक 22-6-1989
6. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 119 दिनांक 24-2-1990
7. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 213 दिनांक 7-4-1990
8. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 342 दिनांक 1-6-1991
9. अधिलेखन संख्या सा.का.नि. 553 दिनांक 5-12-1992

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1993

सा.का.नि. 482.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परलोक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति आकाशवाणी (समूह 'घ' पद)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 3rd September, 1993

G.S.R. 482.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Group 'C' Posts) Recruitment Rules, 1979, namely:—

1. (i) These Rules may be called the All India Radio (Group 'C' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1993.

(ii) They shall be deemed to have come into force on 1st day of January, 1986.

2. In the Schedule to the All India Radio (Group 'C' Posts) Recruitment Rules, 1979,

(a) against Sl. No. 1 relating to the post of Engineering Assistant, in column 5, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600";

(b) against Sl. No. 2 relating to the post of Mast Technician in column 5, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"Rs. 1320-30-1560-EB-40-2040";

(c) against Sl. No. 3 relating to the post of Technician, in column 5, for the existing entry, the following shall be substituted, namely:—

"Rs. 1200-30-1440-EB-30-1800".

EXPLANATORY MEMORANDUM

It was observed by the Committee on Subordinate Legislation (Tenth Lok Sabha) in its second report that the recruit-

ment rules for the post of Engineering Assistant, Mast Technician and Technician did not carry the revised pay scales of their posts as recommended by the Fourth Central Pay Commission. In actual practice the incumbents working in these posts are drawing the revised pay scales with effect from 1st January, 1986. In order to effect this change the revised pay scales were incorporated in the All India Radio (Group 'C' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1991. However, inadvertently, the same were notified to come into force on the date of publication in the Official Gazette. As the said notification did not depict the actual facts; so it has been felt to rectify the error by issuing an amendment.

2. This supersedes Ministry of Information and Broadcasting's Notification No. GSR 553 dated 5th December, 1992 issued vide Notification No. 310/46/89-B(D) dated 19th October, 1992.

[No. 310/46/89-B(D)]

V. K. SHARMA, Under Secy.

Foot-Note.—Principal Rules were notified by GSR 762 dated 2nd June, 1979 and subsequently amended by:—

1. Notification No. GSR 150 dated 7-2-1981.
2. Notification No. GSR 605 dated 22-6-1985.
3. Notification No. GSR 727 dated 6-9-1986.
4. Notification No. GSR 302 dated 25-4-1987.
5. Notification No. 3/45/88-S.IV(A)/B(D) dated 22-6-1989.
6. Notification No. GSR 119 dated 24-2-1990.
7. Notification No. GSR 213 dated 7-4-1990.
8. Notification No. GSR 342 dated 1-6-1991.
9. Notification No. GSR 553 dated 5-12-1992 (since superseded by this Notification).

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1993

मा.का.नि. 483.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और श्रम मंत्रालय (अन्वेषक श्रेणी-2) भर्ती नियम, 1963 को, इन बातों के सिवाय अधिकृत करने हुए, जिन्हें ऐसे अधिकरण में पहले किया गया है या करने का लक्ष्य दिया गया है श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली में अन्वेषक श्रेणी-2 के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम श्रम मंत्रालय (अन्वेषक श्रेणी-2) भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान: पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों से उपायुक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अन्य गृह्यतः: भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, गृह्यतः और उसके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं:

परन्तु यह कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में सीधे भर्ती के लिए विनिर्दिष्ट ऊपरी आयु सीमा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा:

(क) सरकारी सेवाओं की वशा में, या

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए साधारण आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजातियों या अन्य विशेष प्रवर्ग से संबंधित किन्हीं अन्य व्यक्तियों की वशा में, शिथिल की जा सकती है।

4. अयोग्यता: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जोड़ते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के अधीन अनुशेष है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति: जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इस नियम में के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की शक्ति, आवेदन द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6 व्याप्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षण, आयु सीमा में छूट और अन्य विधायकों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केंद्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पद की सं.	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम आयु पर प्रवेश्यता	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जाएं गए वर्षों का फायदा कर्तव्य सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
प्रमुख अधिकारी-2	17* (1993) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	समूह 'ग' अराजपसित, अनुसूचिकीय, साधारण केंद्रीय सेवा	1400-40-1600- ब.रो.-50-2300 ब.	अवकाश	20-25 वर्ष (केंद्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सहायक सेवाओं के लिए प्रविष्ट करके 40 वर्ष तक की जा सकती है। टिप्पण: आयु सीमा व्यवहारित करने के लिए नियमित तारीख आवेदन प्राप्त करने की शर्त तारीख होगी।	नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य शर्तों पर सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परीक्षा की प्रवृत्ति, यदि कोई हो आयु और शैक्षिक शर्तों पर प्रोत्त व्यक्तियों की दशा में लागू होगी या नहीं

8	9	10
आवश्यक: किसी माध्यम प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री जिसमें सांख्यिकी, गणित या अर्थशास्त्र एक विषय रहा हो। बांछनीय: (i) सामाजिक-आर्थिक अन्वेषण, रिपोर्ट के सारणीकरण और लेखन में दो वर्ष का अनुभव। (ii) उपरोक्त विद्याशाखाओं में से किसी एक में स्नातकोत्तर। (iii) कम्प्यूटर से सुपरिचित और सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए विभिन्न प्रक्रिया सामग्री के प्रचालन की योग्यता।	लागू नहीं होता	दो वर्ष

भर्ती की पद्धति: भर्ती सीधे होगी या प्रोत्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता

प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा

11

12

सीधी भर्ती

लागू नहीं होता

टिप्पण: पदधारी के प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण पर या लम्बी छुट्टी या अवकाश छुट्टी या किन्हीं अन्य परिस्थितियों में एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के लिए बाहर रहने के कारण हुई रिक्तियों, केंद्रीय सरकार के ऐसे अधिकारियों में से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के आधार पर भरी जा सकेंगी:—

- (क) (i) जो नियमित आधार पर सेवा पद धारण किए हुए हैं, या
(ii) जिन्होंने 1200-2040 ब. या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर पांच वर्ष नियमित सेवा की है, और
(iii) जिनके पास स्लैब 8 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित शैक्षिक शर्तें हैं।

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसको संरक्षता

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि के लिए)

लागू नहीं होता

1. निदेशक/उप सचिव (प्रशासन) —अध्यक्ष।
2. प्रवर सचिव/उप निदेशक (मुख्य सचिवालय) —सदस्य।
3. प्रवर सचिव/प्रशासनिक अधिकारी, रोजगार और प्रशिक्षण महाविभाग, या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली—सदस्य।

[फा.स. ए-12018/1/92-प्रशा-III]

इन्दर सिंह, प्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th July, 1993

G.S.R. 483.—In exercise of the powers conferred by the provision to article 309 of the Constitution of India and in supersession of the Ministry of Labour (Investigator Grade-II) Recruitment Rules, 1963, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Investigator Grade-II, in the Ministry of Labour, New Delhi, namely:—

1. Short title and extent.—(1) These rules may be called the Ministry of Labour (Investigator Grade-II) Recruitment Rules, 1993.

(2) These rules shall come into force on their publication in the official gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, the classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, age limit and other Qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit specified for direct recruitment as in column 6 of the said Schedule may be relaxed by the Staff Selection Commission:

(a) in the case of Government Servants; or

(b) in the case of any other persons belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes or other special category, in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who have a spouse living, has entered into or contracted marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage, and there are grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary to do so, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in this rule shall affect reservations and other concession required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this respect.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay
1	2	3	4
Investigator Grade-II	*17 (1993) *(Subject to variation dependent on workload)	Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial, General Central Service.	Rs. 1400-40-1800-EB-50-2300
Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972, is admissible.	
5	6	7	
Non Selection	20- 25 years Relaxable for Government Servants up to the age of 40 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. Note.—The crucial date for determination of the age limit shall be the closing date for receipt of applications.	No	

Educational and other qualifications	Whether, age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any
8	9	10
Essential : Degree from any recognised university with Statistics, Mathematics or Economics, as one of the subjects.	Not applicable	
Desirable : (i) 2 years experience in Socio-Economic investigation, tabulation and writing of reports. (ii) Post Graduation in any of the above disciplines. (iii) Familiarity with Computer and ability to operate various softwares for statistical analysis.	Two years	
Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion, and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation, grade from which promotion/deputation to be made	
11	12	
Direct Recruitment. Note.—Vacancies caused by the incumbent being away on transfer on deputation or long leave or study leave or under other circumstances for a duration of one year or more may be filled on transfer on deputation basis from the officers of the Central Government. (a)(i) holding analogous posts on regular basis; or (ii) with 5 years regular service in posts in the pay scale of Rs. 1200-2040/- or equivalent; and (b) Possessing the educational qualifications prescribed for direct recruits under Column 8.	Not applicable	
If a Departmental Promotion Committee, exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
13	14	
Departmental Promotion Committee (for confirmation) : 1. Director/Deputy Secretary (Administration)—Chairman. 2. Under Secretary/Deputy Director (Main Sectt.)—Member. 3. Under Secretary/Administrative Officer (Directorate General of Employment & Training OR Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi)—Member.	Not applicable.	

[F.No. A-12018/1/92-Admn. III]
INDER SINGH, Under Secy.

